

15/5/25

बदल धुंन 4

पत्रावली पेश हुई। उभय पक्षकारान उपर
 उभय पक्षकारान को सुनाया। वहस
 जगज अथाई निषेधाज्ञा स्वीकार
 की जाकर अपाभीगान को जर्घि
 अथाई निषेधाज्ञा सुल वादे के
 विरन्तार लक पावन क्रिया जाल ही
 अराजी ख० नं० 1722, 1717, 1723
 वीर साग वरापन पुलेय के मौके व
 विकोर की सथा स्थिति बनाये रखे
 पत्रावली फेरल सुमाट कोकर
 दक्षिण दायर ए अदेश खुले
 न्यायालय के सुनाया गया

उपखण्ड अधिकारी
 साँभर लेक

